RNI No#MPBIL/2013/49052

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट ऐवेन्यूस

भोपाल, शनिवार 18 से 24 अप्रैल 2026 | भोपाल , मध्यप्रदेश से प्रकाशित | वर्ष- 13 | अंक-88 | पृष्ठ- 8 | मूल्य- रु. 5 /-

थोक महंगाई 38 महीने के उच्चतम स्तर पर: मार्च में WPI बढ़कर 3.88% पहुंची

खाने-पीने के सामान और ईंधन की महंगाई से थोक मूल्य सूचकांक में तेज उछाल, रिटेल महंगाई पर भी दबाव बढ़ने की आशंका

नई दिल्ली: : मार्च 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (WPI) आधारित महंगाई 38 महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मार्च में WPI बढ़कर 3.88% हो गया, जबकि फरवरी में यह 2.17% पर था। यह आंकड़ा दिसंबर 2022 के बाद सबसे ऊंचा स्तर है।

मुख्य रूप से खाने-पीने के सामान, ईंधन और बिजली की कीमतों में तेज वृद्धि के कारण थोक महंगाई में यह उछाल देखा गया। खाद्य वस्तुओं की थोक महंगाई मार्च में 5.2% रही, जो पिछले महीने के 2.8% से काफी अधिक है। ईंधन और बिजली की महंगाई भी 8.1% पर पहुंच गई।

विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान-इजराइल संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा मुख्य वजह है। इसके अलावा, कुछ कृषि उत्पादों में मौसमी कमी ने भी खाद्य वस्तुओं की थोक कीमतों को बढ़ाया है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि थोक महंगाई में वृद्धि चिंता का विषय है, लेकिन रिटेल महंगाई अभी भी नियंत्रण में है। हालांकि, अगर थोक महंगाई लंबे समय तक ऊंची बनी रही तो रिटेल महंगाई पर भी इसका असर पड़ सकता है।

वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सरकार स्थिति पर नजर रखे हुए है और जरूरत पड़ने पर ईंधन पर टैक्स में राहत देने या आयात शुल्क समायोजित करने पर विचार कर सकती है।

उद्योग संगठनों ने चिंता जताई है कि बढ़ती थोक महंगाई से विनिर्माण लागत बढ़ेगी, जिसका असर उपभोक्ता कीमतों पर पड़ेगा। विशेष रूप से छोटे और मध्यम उद्यम (MSME) इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं।

विश्लेषकों का अनुमान है कि अप्रैल में भी WPI ऊंचा रह सकता है, लेकिन मानसून के बेहतर होने पर खाद्य महंगाई में कमी आ सकती है।

अमेरिका में भारतीय राजदूत ने US ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव से की मुलाकात, व्यापार समझौते पर बातचीत तेज

दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (BIT) की दिशा में अहम प्रगति, टैरिफ, आईपीआर और कृषि मुद्दों पर चर्चा; मार्च अंत तक बड़ा ऐलान संभव

नई दिल्ली: अमेरिका में भारतीय राजदूत ने US ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (USTR) कैथरीन ताई से मुलाकात की। इस बैठक में दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा में चल रहे द्विपक्षीय व्यापार समझौते (Bilateral Trade Agreement) को अंतिम रूप देने पर विस्तृत चर्चा हुई।

भारतीय राजदूत ने बैठक के बाद कहा कि दोनों पक्ष टैरिफ में कमी, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR), कृषि उत्पादों की पहुंच, डिजिटल व्यापार और सेवाओं के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि मार्च 2026 के अंत तक दोनों देश एक व्यापक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

USTR कार्यालय ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिका भारत के साथ एक मजबूत और संतुलित व्यापार संबंध चाहता है, जो दोनों देशों के आर्थिक हितों को ध्यान में रखते हुए हो।

भारत अमेरिका का 9वां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 1,900 अरब डॉलर के करीब पहुंच गया था। भारत अमेरिका को फार्मा, इंजीनियरिंग गुड्स, टेक्सटाइल और आईटी सेवाएं निर्यात करता है, जबकि अमेरिका से कच्चा तेल, हाई-टेक उपकरण और एयरक्राफ्ट आयात करता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मुलाकात दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार मुद्दों को सुलझाने और नई दिल्ली-वाशिंगटन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की दिशा में एक अहम कदम है। ट्रंप प्रशासन के आने के बाद अमेरिका ने कई देशों के साथ व्यापार समझौतों को प्राथमिकता दी है। भारत भी इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल है और अमेरिका के साथ एक लाभकारी समझौता करने की कोशिश कर रहा है।

महिंद्रा दक्षिण अफ्रीका में विस्तार की तैयारी में, चीन की कंपनियों से बढ़ रही चुनौती

दक्षिण अफ्रीका में ट्रैक्टर और SUV बाजार में मजबूत उपस्थिति बनाने का प्लान, चीनी कंपनियों की सस्ती पेशकश से मुकाबला; अफ्रीकी बाजार में भारतीय ब्रांड की नई रणनीति

मुंबई: महिंद्रा एंड महिंद्रा दक्षिण अफ्रीका में अपने बिजनेस को और विस्तार देने की तैयारी कर रही है। कंपनी वहां ट्रैक्टर, SUV और कमर्शियल वाहनों के बाजार में अपनी मौजूदगी मजबूत करना चाहती है, जहां चीन की कंपनियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

महिंद्रा के ग्लोबल ऑटोमोटिव प्रमुख ने कहा, दक्षिण अफ्रीका हमारे लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाजार है। हम वहां लोकल असेंबली प्लांट की क्षमता बढ़ाने और डीलर नेटवर्क को विस्तार देने की योजना बना रहे हैं। कंपनी दक्षिण अफ्रीका में ट्रैक्टर सेगमेंट में पहले से ही मजबूत स्थिति रखती है, लेकिन SUV और पिकअप ट्रक सेगमेंट में चीन की सस्ती गाड़ियों से कड़ी चुनौती का सामना कर रही है।

चीन की कंपनियां जैसे BYD, Chery और Great Wall Motors दक्षिण अफ्रीका में आक्रामक तरीके से एंट्री कर रही हैं और कम कीमत के कारण बाजार हिस्सेदारी हासिल कर रही हैं। महिंद्रा अब प्रीमियम प्रोडक्ट्स, बेहतर आफ्टर-सेल्स सर्विस और फाइनेंसिंग स्कीम्स के जरिए इनका मुकाबला करने की रणनीति बना रही है।

कंपनी दक्षिण अफ्रीका में लोकल पार्टनरशिप भी बढ़ा रही है। हाल ही में महिंद्रा ने वहां एक नई असेंबली लाइन लगाने की घोषणा की थी, जिससे लागत कम होगी और डिलीवरी तेज होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर महिंद्रा दक्षिण अफ्रीका में सफल रही तो यह कंपनी के लिए पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में विस्तार का दरवाजा खोल सकता है। वर्तमान में महिंद्रा अफ्रीका में ट्रैक्टर सेगमेंट में अग्रणी है, लेकिन पैसेंजर वाहन क्षेत्र में अभी चुनौतीपूर्ण स्थिति है।

यह कदम महिंद्रा की 'ग्लोबल महिंद्रा' विजन का हिस्सा है, जिसमें कंपनी उभरते बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने पर फोकस कर रही है।

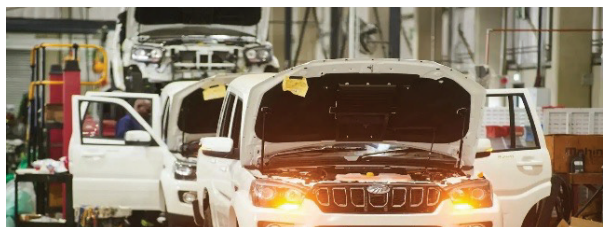

Tata Invests Additional ₹1,500 Crore to Boost iPhone Manufacturing Business

Fresh capital infusion to expand production capacity and deepen localisation; Move strengthens Tata's position as a key Apple supplier in India

Mumbai: Tata Group has committed an additional ₹1,500 crore to its electronics manufacturing business, with a major focus on scaling up iPhone production in India. The fresh investment will be channelled into Tata Electronics and its subsidiary, Tata Electronics Solutions, to enhance manufacturing infrastructure, upgrade technology, and increase localisation levels.

This is the second major capital infusion by the Tata Group into its iPhone-related business in the last 18 months. The funds will primarily be used to expand the existing production lines at the Hosur and Chennai facilities and to set up new lines dedicated to advanced iPhone models.

Tata Electronics is already a significant contract manufacturer for Apple in India. With this additional investment, the group aims to increase its annual production capacity and deepen the localisation of components, aligning with the government's Production Linked Incentive (PLI) scheme for mobile phones. A senior Tata Group executive said, this investment reflects our long-term commitment to building a world-class electronics manufacturing ecosystem in India. We are not just assembling iPhones but are steadily moving up the value chain by investing in component manufacturing and R&D.

The move comes at a time when India is emerging as a major alternative manufacturing hub for Apple, with the country's share in global iPhone production steadily rising. The Tata Group's aggressive expansion is expected to create several thousand additional jobs and strengthen the domestic supply chain.

Analysts view the investment positively, noting that it will help Tata consolidate its position as a strategic partner to Apple while supporting the government's objective of positioning India as a global electronics manufacturing destination.

The fresh capital is expected to be funded through a mix of internal accruals and debt. Tata Electronics aims to significantly ramp up its contribution to the group's overall revenue in the coming years.

Sh. Pradeep Karambelkar
Founder & Editor

Dr. Irshad Ahmad Khan
Sub-Editor

Sh. Pushpendra Singh
Marketing Officer

High Oil Prices and Inflation: What It Means for RBI and Equity Markets

Oil prices may look like an international issue, but they directly affect the daily life of every Indian. When crude oil becomes expensive in the global market, its impact is felt at petrol pumps, in vegetable prices, in transport fares and even in electricity bills. That is why high oil prices are closely linked to inflation and the policies of the Reserve Bank of India (RBI).
India imports nearly 85% of its crude oil needs. This means when global oil prices rise, India must spend more money to buy the same amount of oil. If crude oil moves from, say, $80 per barrel to $100 per barrel, the country's import bill increases sharply. This puts pressure on the rupee and increases overall costs in the economy.

When oil becomes expensive, petrol and diesel prices usually go up. Higher fuel prices increase transportation costs. Trucks carrying vegetables, fruits, grains and other goods must spend more on diesel. As a result, the prices of daily-use items rise. This leads to inflation, which means a general increase in prices.

Inflation reduces the purchasing power of common people. When household budgets get tight, people spend less on non-essential goods. This affects businesses and company profits.
The Reserve Bank of India's main responsibility is to control inflation and maintain economic stability. If inflation rises beyond its comfort level (around 4% target range), the RBI may increase interest rates to control rising prices. Higher interest rates make loans more expensive. Home loans, car loans and business loans become costly. This reduces spending and borrowing, which helps slow down inflation.

However, higher interest rates also slow economic growth. Companies may delay expansion plans, and consumers may reduce spending. So, the RBI always must balance between controlling inflation and supporting growth.
When oil prices remain high for a long time, the RBI faces a tough situation. If it increases rates, growth may slow down. If it keeps rates unchanged, inflation may remain high. This creates uncertainty in financial markets.

Stock markets react quickly to rising oil prices. Some sectors suffer, while others benefit. Oil marketing companies, airlines and paint companies usually face higher costs when crude prices rise. Their profit margins may shrink, and their stock prices may come under pressure.
On the other hand, oil exploration and production companies may benefit from higher crude prices. Energy sector stocks sometimes perform well in such situations.
High inflation and the possibility of higher interest rates can also affect overall market sentiment. Investors become cautious. Foreign investors may reduce exposure to emerging markets if inflation risks rise. This can increase market volatility.

However, India's strong domestic investor base provides some stability. Regular investments through SIPs and mutual
funds help reduce sharp market falls.In simple terms, high oil prices create a chain reaction from fuel prices to inflation, from inflation to RBI policy, and from RBI decisions to stock markets. For common people and investors, it is important to understand that oil is not just about petrol prices. It influences the entire economy.

If India depends heavily on imported oil, global crude prices will continue to play a major role in shaping inflation, interest rates, and the direction of equity markets.

Dr. Irshad Ahmod Khan
Sub-Editor

मुथूट फाइनेंस इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में प्रवेश के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगेगा

सोने पर लोन देने वाली कंपनी अब इंश्योरेंस सेक्टर में भी उतरेगी, नए रेवेन्यू स्ट्रीम से ग्रोथ को गति; बोर्ड ने प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली: मुथूट फाइनेंस लिमिटेड ने इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में प्रवेश करने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी मांगने का फैसला किया है। कंपनी का बोर्ड इस प्रस्ताव को मंजूरी दे चुका है और जल्द ही शेयरधारकों की मंजूरी के लिए विशेष आम बैठक बुलाई जाएगी।
मुथूट फाइनेंस मुख्य रूप से सोने पर लोन देने वाली कंपनी के रूप में जानी जाती है। अब कंपनी जीवन बीमा, सामान्य बीमा और स्वास्थ्य बीमा उत्पादों को अपने 5,000 से अधिक ब्रांच नेटवर्क के जरिए बेचने की योजना बना रही है। इससे कंपनी को नए रेवेन्यू स्ट्रीम मिलेंगे और क्रॉस-सेलिंग के अवसर बढ़ेंगे।
कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर जी.आर. अन्ना मल्होत्रा ने कहा, हमारे पास पहले से ही करोड़ों ग्राहक हैं जो नियमित रूप से हमारी सेवाओं का इस्तेमाल करते हैं। इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन में प्रवेश से हम अपने ग्राहकों को वन-स्टॉप फाइनेंशियल सॉल्यूशन दे सकेंगे। यह कदम हमारी लंबी अवधि की ग्रोथ रणनीति का हिस्सा है।
विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम मुथूट फाइनेंस के लिए सही समय पर उठाया गया है। बीमा क्षेत्र में डिस्ट्रीब्यूशन मार्जिन अच्छा है और कंपनी अपनी मौजूदा ब्रांच नेटवर्क और ग्राहक आधार का फायदा उठा सकती है।
मुथूट फाइनेंस पहले से ही कुछ बीमा कंपनियों के साथ टाई-अप रखती है, लेकिन अब अपनाखुद का इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस शुरू करने जा रही है। कंपनी ने स्पष्ट किया कि वह शुरुआत में मुख्य रूप से जीवन बीमा और हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स पर फोकस करेगी।
यह प्रस्ताव पास होने के बाद मुथूट फाइनेंस भारत के उन गैर-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों में शामिल हो जाएगी जो बीमा वितरण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से प्रवेश कर रही हैं। शेयर बाजार में इस खबर के बाद कंपनी के शेयरों में सकारात्मक गति देखी गई।

Iran War Triggers Price Hikes: HUL Raises Prices of Dove, Pears, Surf Excel & Red Label

Surging crude oil and palm oil prices force Hindustan Unilever to pass on cost pressures; Everyday essentials to become costlier for Indian households

Bengaluru: Hindustan Unilever Ltd (HUL), India's largest FMCG company, has announced price increases across several popular brands, including Dove, Pears, Surf Excel, and Red Label tea, citing rising input costs triggered by the ongoing Iran-Israel conflict.

The company confirmed that prices of its personal care and home care products have been hiked by 4–8%, while tea prices have been raised by 3–5%. The revisions, which came into effect from this week, are a direct response to the sharp surge in crude oil and palm oil prices, both critical raw materials for HUL's product portfolio.

Senior executives at HUL stated that the company had absorbed a significant portion of the cost increase over the past few months but could no longer continue doing so without impacting margins. Geopolitical developments in West Asia have led to higher freight costs and elevated prices of key commodities. We have been forced to take calibrated price increases, a company spokesperson said.

Dove and Pears soaps, Surf Excel detergent, and Red Label tea are among the most widely used household brands in India. The price hike is expected to affect millions of middle-class and lower-middle-class consumers, particularly in rural and semi-urban areas.

Industry analysts noted that HUL is not alone in taking this step. Several other FMCG players, including ITC, Godrej Consumer, and Colgate-Palmolive, are also reviewing prices due to the same cost pressures.

The Iran-Israel conflict has disrupted supply chains and pushed up global crude oil prices above $90 per barrel, directly impacting the cost of petrochemical derivatives and packaging materials. Palm oil prices have also risen sharply, affecting soap and detergent production.

With the summer season approaching and rural demand still recovering, the timing of the price increase has raised concerns about possible volume pressure on mass-market products. HUL, however, remains confident that strong brand equity and selective price hikes will help it protect profitability without significant loss of market share.

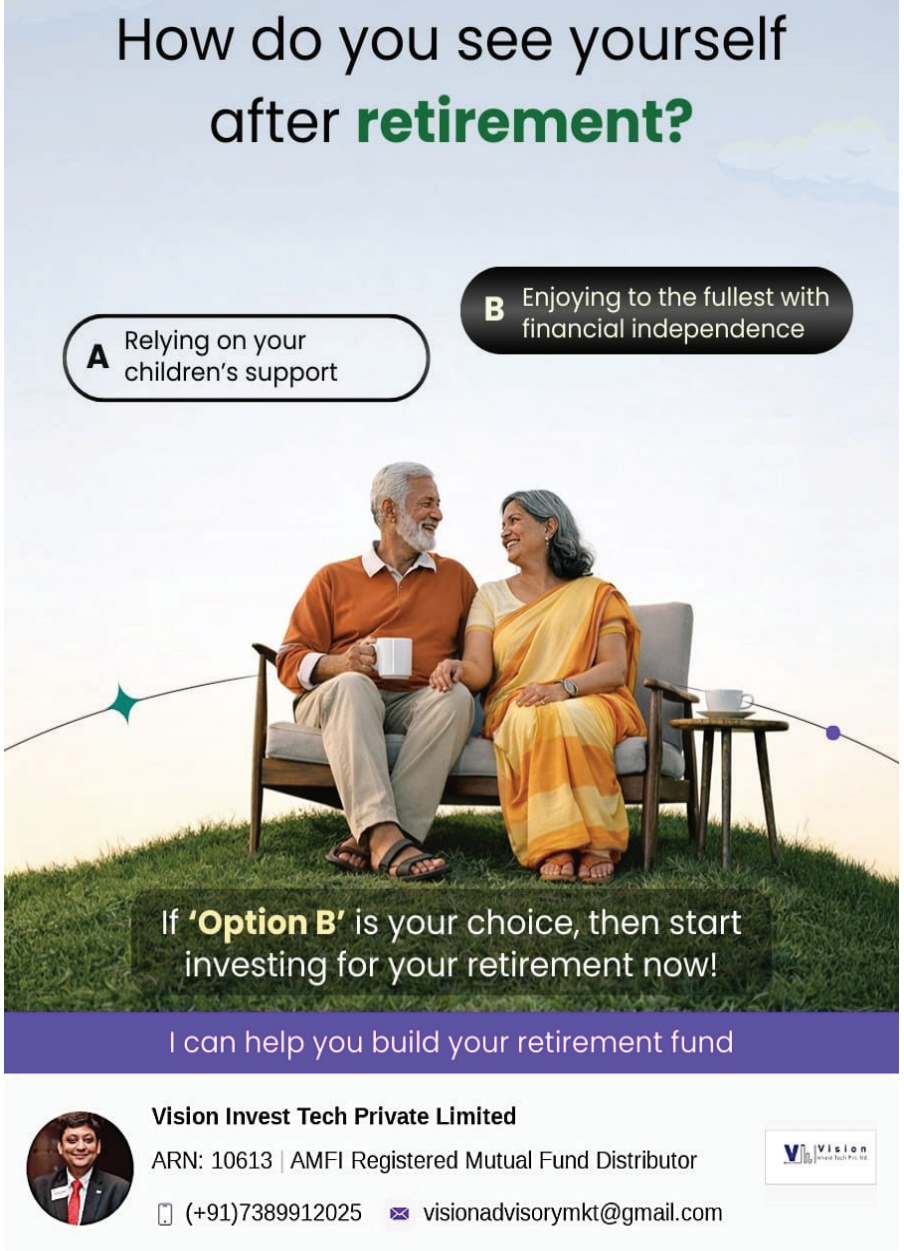

Adani Energy Commissions 1,000 MW Power Link in Mumbai

Major transmission project to significantly improve power reliability and support Mumbai's growing energy needs; Marks key milestone in Adani's infrastructure push

Mumbai: Adani Energy Solutions Ltd has successfully commissioned a 1,000 MW high-capacity power transmission link in Mumbai; a critical infrastructure project aimed at strengthening the city's electricity grid and ensuring reliable power supply.

The new transmission system connects the Kalwa substation in Navi Mumbai to the Aarey substation in Goregaon, significantly enhancing the city's ability to import power from outside the island city. This link is expected to play a vital role in meeting the surging electricity demand from Mumbai's expanding commercial, residential, and industrial sectors.

Adani Energy Solutions Chairman Gautam Adani said, this 1,000 MW power link is a game-changer for Mumbai. It will not only improve power reliability but also support the city's future growth as India's financial capital. We are committed to building world-class infrastructure that powers India's progress.

The project was executed using Advanced high-Voltage Direct Current (HVDC) technology, which allows efficient long-distance power transmission with minimal losses. The link is part of Adani Energy's broader plan to strengthen the national transmission network and integrate renewable energy into major cities.

Mumbai has been facing occasional power constraints during peak summer months due to limited transmission capacity from the mainland. The new link is expected to resolve these issues and provide a buffer for future demand growth.

According to industry experts, the project will also facilitate smoother integration of renewable energy sources into Mumbai's power mix, supporting the city's sustainability goals. The successful commissioning of the link is being viewed as a significant achievement for the Adani Group in the power transmission space.

Cement Makers Set to See Sharp Quarter-on-Quarter Profit Growth

Higher realisations, improved volumes, and cost rationalisation to drive strong Q3 performance; Rural demand and infrastructure push provide tailwinds

New Delhi: Cyient Semiconductors, a wholly-owned subsidiary of Cyient Limited, has acquired a 74% stake in US-based Kinetic Technologies for $85 million (approximately ₹710 crore). The deal marks a significant step in Cyient's ambition to expand its footprint in the global semiconductor industry.

Kinetic Technologies is a fabless semiconductor company specializing in power management integrated circuits (ICs), USB, and high-speed connectivity solutions. The company serves major clients in the automotive, industrial, consumer electronics, and enterprise markets. With this acquisition, Cyient Semiconductors will gain access to Kinetic's strong intellectual property portfolio, established customer base, and experienced design engineering team.

Commenting on the acquisition, Cyient Limited Chairman & Managing Director Krishna Bodanapu said, this strategic investment aligns with our long-term vision of building a world-class semiconductor business. Kinetic Technologies brings deep domain expertise in power management and connectivity, which complements our existing capabilities and will help us deliver more comprehensive solutions to our global customers.

The transaction is expected to be funded through internal accruals and debt. Cyient Semiconductors plans to retain Kinetic's leadership team and continue operations from its existing locations in the US and Asia.

Industry analysts have welcomed the deal, noting that it will enhance Cyient's position in the fast-growing semiconductor design services market. The acquisition is also expected to provide cross-selling opportunities and strengthen Cyient's offerings in the electric vehicle and industrial automation segments.

Following the announcement, Cyient Limited shares rose on the BSE. The company aims to significantly scale up its semiconductor business over the next five years as India pushes for greater self-reliance in the electronics and semiconductor sector under the India Semiconductor Mission.

Eye on Aspirational India and Medical Tourism, Max Healthcare Steps Up Bed Capacity Expansion

Hospital chain to add 1,500+ beds in next 18 months; Focus on Tier-2 cities and high-end speciality care to drive growth

New Delhi: Max Healthcare Institute Ltd is accelerating its bed capacity expansion plans, aiming to add over 1,500 beds across its network in the next 18 months. The move is driven by rising demand from aspirational India and growing opportunities in medical tourism.

The hospital chain, which currently operates over 5,000 beds, is focusing on both brownfield expansions in existing facilities and greenfield projects in high-potential Tier-2 cities. New facilities are planned in cities such as Indore, Bhopal, Patna, and Lucknow, where demand for quality healthcare is rising rapidly due to increasing income levels and health awareness.

Max Healthcare Managing Director & CEO Abhay Soi said, we are witnessing strong demand across key specialities including oncology, cardiology, orthopaedics, and neurosciences. Our strategy is to expand capacity in a calibrated manner while maintaining clinical excellence and operational efficiency.

The company is also making a concerted push into medical tourism. With state-of-the-art infrastructure, internationally trained doctors, and competitive pricing, Max Healthcare aims to attract patients from the Middle East, Africa, and South Asia. Dedicated international patient service desks and tie-ups with overseas insurance providers are being strengthened to facilitate this segment.

Analysts believe the expansion is well-timed. India's healthcare market is expected to grow at a CAGR of 12-15% over the next five

years, driven by an ageing population, lifestyle diseases, and increasing insurance penetration. Medical tourism is also projected to become a $20 billion industry by 2030.

Max Healthcare has maintained strong financial performance with healthy occupancy levels and robust ARPOB (Average Revenue Per Occupied Bed). The company remains confident of sustaining double-digit revenue growth while improving profitability margins.

The fresh capacity addition will be funded through internal accruals and debt, keeping the balance sheet comfortable. With this aggressive expansion, Max Healthcare aims to strengthen its position as one of India's leading healthcare providers catering to both domestic and international patients.

Industrial AI Startup Intellithink Raises Rs 17 Crore in Funding Round Led by Pentathlon Ventures

Funds to accelerate product development and expand presence in manufacturing and logistics sectors; Startup aims to solve critical shop-floor challenges using AI

Mumbai: Intellithink, an industrial artificial intelligence startup, has raised Rs 17 crore in a funding round led by Pentathlon Ventures. The round also saw participation from existing investors and angel investors from the manufacturing sector.

Founded in 2022, Intellithink specialises in developing AI-powered solutions for shop-floor optimisation, predictive maintenance, quality inspection, and process automation in manufacturing and logistics industries. Its flagship product uses computer vision and machine learning to detect defects and anomalies in real-time on production lines.

The fresh capital will be used to enhance its AI platform, expand the engineering team, and scale up go-to-market efforts across India and Southeast Asia. The company plans to double its customer base in the next 12 months, targeting mid-sized and large manufacturing enterprises looking to improve operational efficiency.

Intellithink Co-founder and CEO, Arjun Sharma, said, Manufacturing industries in India are at an inflection point where digital transformation is no longer optional. Our AI solutions help factories reduce downtime, minimise waste, and improve quality without replacing human workers. This funding will accelerate our mission to make Indian manufacturing smarter and more competitive globally.

Pentathlon Ventures Partner, who led the investment, commented, Intellithink is solving real pain points in the industrial sector with practical and scalable AI applications. We are excited to partner with a team that deeply understands both technology and shop-floor realities.

The Indian industrial AI market is witnessing rapid growth as companies look to adopt Industry 4.0 technologies amid rising labour costs and global supply chain pressures. Intellithink is among a small group of startups focusing exclusively on heavy industry applications rather than generic AI tools.

गेल 3,800 करोड़ रुपये लगाकर उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 700 MW सोलर प्रोजेक्ट्स लगाएगी

गेल की नवीकरणीय ऊर्जा में बड़ी छलांग, 2027 तक प्रोजेक्ट्स पूरा करने का लक्ष्य; कंपनी का कुल सोलर पोर्टफोलियो 1.5 GW के पार पहुंचेगा

नई दिल्ली: गेल (इंडिया) लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में 700 मेगावॉट (MW) क्षमता के सोलर पावर प्रोजेक्ट्स विकसित करने के लिए 3,800 करोड़ रुपये निवेश करने का फैसला किया है। यह गेल की नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में अब तक की सबसे बड़ी निवेश योजना है।

कंपनी ने दोनों राज्यों में भूमि अधिग्रहण और प्रोजेक्ट डेवलपमेंट की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उत्तर प्रदेश में 400 MW और महाराष्ट्र में 300 MW का सोलर प्रोजेक्ट विकसित किया जाएगा। दोनों प्रोजेक्ट्स 2027 तक चालू हो जाने की उम्मीद है।

गेल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा, "यह निवेश हमारी नेट-जीरो यात्रा और स्वच्छ ऊर्जा मिशन को मजबूत करेगा। हम सोलर एनर्जी को अपने बिजनेस का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहे हैं।"

गेल पहले से ही 1 GW से अधिक सोलर क्षमता संचालित कर रही है। इन नए प्रोजेक्ट्स के पूरा होने के बाद कंपनी की कुल सोलर क्षमता 1.7 GW के करीब पहुंच जाएगी। कंपनी का लक्ष्य 2030 तक 5 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करना है।

यह निवेश भारत सरकार के 500 गीगावॉट नॉन-फॉसिल ऊर्जा लक्ष्य को हासिल करने में भी योगदान देगा। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र दोनों राज्यों में इन प्रोजेक्ट्स से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होगा और औद्योगिक क्षेत्रों को सस्ती बिजली उपलब्ध होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि गेल का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में विविधीकरण की दिशा में सही है। कंपनी अब गैस से आगे बढ़कर सोलर और हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में भी सक्रिय रूप से निवेश कर रही है।

विप्रो हाइड्रॉलिक्स इटली की इंडेको इंड स्पा में 100% हिस्सेदारी खरीदेगी

स्ट्रैटेजिक अधिग्रहण से विप्रो की ग्लोबल फुटप्रिंट मजबूत, कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेगमेंट में यूरोपीय बाजार में प्रवेश; 2026 में पूरा होने की संभावना

बेंगलुरु: विप्रो एंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी विप्रो हाइड्रॉलिक्स ने इटली की प्रमुख हाइड्रॉलिक ब्रेकर और अटैचमेंट मैन्युफैक्चरर कंपनी इंडेको इंड स्पा (Indeco Ind Spa) में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का सौदा तय किया है। यह विप्रो के लिए इटली में पहला बड़ा अधिग्रहण है और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेगमेंट में उसकी वैश्विक महत्वाकांक्षा को नई गति देगा।

सौदे की वित्तीय शर्तें अभी गोपनीय रखी गई हैं, लेकिन सूत्रों के अनुसार कुल डील वैल्यू 1,200 से 1,500 करोड़ रुपये के बीच हो सकती है। अधिग्रहण पूरा होने के बाद इंडेको विप्रो हाइड्रॉलिक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगी।

विप्रो हाइड्रॉलिक्स के सीईओ ने कहा, इंडेको एक विश्व स्तरीय ब्रांड है जिसकी यूरोप, अमेरिका और एशिया में मजबूत उपस्थिति है। इस अधिग्रहण से हम अपनी प्रोडक्ट रेंज को विस्तार देंगे, टेक्नोलॉजी हासिल करेंगे और ग्लोबल मार्केट में अपनी पहुंच बढ़ाएंगे।

इंडेको इंड स्पा मुख्य रूप से हाइड्रॉलिक ब्रेकर्स, क्रशर्स और डेमोलिशन अटैचमेंट्स बनाती है, जो कंस्ट्रक्शन, माइनिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में इस्तेमाल होते हैं। कंपनी के पास उन्नत इंजीनियरिंग और इनोवेटिव प्रोडक्ट डिजाइन की मजबूत विरासत है।

यह सौदा विप्रो के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि कंपनी अब हाइड्रॉलिक्स और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट सेगमेंट में यूरोपीय बाजार में सीधे प्रवेश कर सकेगी। इससे विप्रो की निर्यात आय बढ़ेगी और भारतीय मैन्युफैक्चरिंग बेस को ग्लोबल सप्लाई चेन में बेहतर एकीकरण का मौका मिलेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह अधिग्रहण विप्रो हाइड्रॉलिक्स को हाई-मार्जिन प्रोडक्ट्स में मजबूती देगा और कंपनी को 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'ग्लोबल विप्रो' विजन को साकार करने में मदद करेगा। सौदा नियामकीय मंजूरियों के बाद अगले 4-6 महीनों में पूरा होने की संभावना है।

MPBIL/2013/49052
INVESTMENT AVENUES®
(इन्वेस्टमेंट एवेनयुस)
(A Publication of Vision Invest Tech Pvt. Ltd.)

INVESTMENT AVENUES
CALL FOR ARTICLES
Share Your Knowledge with INVESTMENT AVENUES
We invite individual, professionals, and entrepreneurs to contribute their expertise and experiences.
- STOCK MARKET
- MUTUAL FUNDS
- REAL ESTATE
- STARTUPS & ENTREPRENEURSHIP

Guidelines:
1. Article must be original
2. Submit in MS Word format
3. Length should not exceed 500 words

editor@investmentavenues.in
write with us, inspire others, and make your voice heard in the world of investments!

INVESTMENT AVENUES®
Looking To Invest In Real Properties & Valued Businesses In BhopaL
Discover genuine real estate and well-assessed business opportunities — safe-to-invest and growth-oriented.
Secure Deals. Smart Investments.
EMAIL: INVESTMENTAVENUES90@GMAIL.COM
CONTACT: +91 73899 26586

WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

Anil Bhardwaj
Technical Head
anil.stockcare@gmail.com

AII level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

• As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
• If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1
• If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
• Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
• If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
• If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	24353	25442	24906	24629	24093	23816	23280	23003
BANK NIFTY	56566	59879	58333	57449	55903	55019	53473	52589
SENSEX	77988	82051	80391	79189	77529	76327	74667	73465
FINNIFTY	26521	27969	27281	26901	26213	25833	25145	24765
MIDCAP	13839	14925	14391	14115	13581	13305	12771	12495
ACC	1432	1547	1498	1465	1416	1383	1334	1301
AXISBANK	1364	1464	1425	1394	1355	1324	1285	1254
ABCAPITAL	341	379	365	353	339	327	313	301
BHARTIARTL	1847	1957	1926	1886	1855	1815	1784	1744
BHEL	317	373	346	331	304	289	262	247
BIOCON	359	387	373	366	352	345	331	324
BEL	462	503	483	473	453	443	423	413
CDSL	1394	1589	1495	1444	1350	1299	1205	1154
DATAPATTERN	3502	4068	3829	3665	3426	3262	3023	2859
ESCORTS	3301	3604	3458	3379	3233	3154	3008	2929
EICHERMOTOR	7175	7519	7395	7285	7161	7051	6927	6817
FEDERAL BANK	294	312	303	299	290	286	277	273
GRINFRAPOJECT	900	1053	988	944	879	835	770	726
HDFCBANK	800	851	835	818	802	785	769	752
HCLTECH	1443	1530	1502	1473	1445	1416	1388	1359
HINDUNILVR	2240	2418	2331	2286	2199	2154	2067	2022
HAL	4385	4904	4652	4518	4266	4132	3880	3746
HYUNDAI	1889	2153	2037	1963	1847	1773	1657	1583
IOC	146	157	151	149	143	141	135	133
ICICIBANK	1353	1451	1409	1381	1339	1311	1269	1241
INFY	1321	1411	1371	1346	1306	1281	1241	1216
ITC	307	324	317	312	305	300	293	288
KOTAKBNK	383	411	398	391	378	371	358	351
LICHOUSING	540	578	559	550	531	522	503	494
LT	4102	4563	4356	4229	4022	3895	3688	3561
LUPIN	2323	2409	2381	2352	2324	2295	2267	2238
MARUTI	13474	14435	14039	13757	13361	13079	12683	12401
M&M	3202	3394	3348	3275	3229	3156	3110	3037
MGL	1130	1250	1190	1160	1100	1070	1010	980
MAZGAONDOC	2620	2935	2779	2700	2544	2465	2309	2230
PFC	465	528	498	481	451	434	404	387
RECLTD	373	428	403	388	363	348	323	308
RELIANCE	1365	1443	1406	1385	1348	1327	1290	1269
SBIN	1080	1160	1124	1102	1066	1044	1008	986
SUNPHARMA	1675	1787	1750	1713	1676	1639	1602	1565
SHRIRAMFINANCE	1037	1113	1078	1058	1023	1003	968	948
TITAN	4524	4829	4691	4608	4470	4387	4249	4166
TCS	2584	2753	2673	2629	2549	2505	2425	2381
TATAMOTORS	361	401	382	371	352	341	322	311
UPL	665	742	706	686	650	630	594	574
VALIENT	281	358	331	306	279	254	227	202
WIPRO	204	224	219	211	206	198	193	185

बजाज ग्रुप हेल्थकेयर क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है: 2,500 करोड़ रुपये से बनेगा इंटीग्रेटेड नेटवर्क

बजाज फाइनेंस और बजाज हेल्थकेयर के सहयोग से शुरू होगा बड़ा प्लान, 50 शहरों में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर खोलने का लक्ष्य

नई दिल्ली: बजाज ग्रुप ने हेल्थकेयर क्षेत्र में औपचारिक रूप से प्रवेश करने की घोषणा कर दी है। ग्रुप 2,500 करोड़ रुपये का निवेश करके पूरे भारत में एक इंटीग्रेटेड हेल्थकेयर नेटवर्क विकसित करेगा। इस नेटवर्क में मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर, डे-केयर सर्जरी यूनिट और प्रिवेंटिव हेल्थकेयर सेवाएं शामिल होंगी।

बजाज फाइनेंस और नई हेल्थकेयर इकाई के बीच स्ट्रैटेजिक साझेदारी के तहत यह प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। शुरुआत में 50 प्रमुख शहरों दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, पुणे, अहमदाबाद और लखनऊ सहित में अस्पताल और डायग्नोस्टिक सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

बजाज ग्रुप के चेयरमैन जामनालाल बजाज फाउंडेशन के ट्रस्टी राहुल बजाज ने कहा, हेल्थकेयर हमारा नया फोकस क्षेत्र है। हम गुणवत्ता वाली, किफायती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना चाहते हैं। यह निवेश ग्रुप की सामाजिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक महत्वाकांक्षा दोनों को पूरा करेगा।

कंपनी का लक्ष्य 2028 तक 5,000 से अधिक बेड्स की क्षमता बनाने का है। प्रोजेक्ट में आधुनिक टेक्नोलॉजी, AI आधारित डायग्नोस्टिक्स और टेलीमेडिसिन सेवाओं को भी शामिल किया जाएगा। बजाज फाइनेंस अपने ग्राहक नेटवर्क का उपयोग करके हेल्थ इंश्योरेंस और मेडिकल लोन उत्पादों को भी इस नेटवर्क से जोड़ेगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि बजाज ग्रुप का हेल्थकेयर में प्रवेश भारतीय स्वास्थ्य सेवा बाजार के तेज विकास को देखते हुए सही समय पर हुआ है। बढ़ती आय, स्वास्थ्य जागरूकता और मेडिकल टूरिज्म की संभावनाओं को देखते हुए यह क्षेत्र आकर्षक बना हुआ है। इस घोषणा के बाद बजाज फाइनेंस के शेयरों में सकारात्मक गति देखी गई।

Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.

प्रकाशक एवं मुद्रक: प्रदीप कारबेलकर, सी-101, नेहरू नगर स्वत्वाधिकार द इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज प्रा.लि., इ-4, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, मध्य प्रदेश 462016, से प्रकाशित एवं DigitalLok, सागर हाई स्ट्रीट, अयोध्या बायपास रोड, डी मार्ट के पास, भोपाल, (म.प्र.) - 462010। संपादक: प्रदीप कारबेलकर (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल होगा)। फोन: +9198262 23075 वेबसाइट: www.investmentavenues.in